(vi) सामाजिक विशेषताएँ - सामाजिक विशेषताओं से संबंधित अध्ययनों के आधार पर यह तथ्य देखने को मिला है कि नेता विभिन्न तरह के क्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, कई तरह के लोगों के साथ अंतः क्रिया करते हैं तथा अन्य लोगों के साथ सहयोगी होते हैं।

बास (Bass, 1982) ने नेतृत्व के शीलगुण सिद्धांत को मोटे तौर पर तीन भागों में बाँटा है —

(i) व्यक्तित्व शीलगुण - किसी उद्योग या अन्य संगठन में नेता को प्रभावी होने के लिए अन्य गुणों के अलावा कुछ खास-खास शीलगुण जैसे समायोजनशीलता, प्रभुत्व, सांवेगिक संतुलन एवं नियंत्रण, स्वतंत्रता, मौलिकता एवं सर्जनात्मकता, व्यक्तिगत अखंडता तथा आत्म विश्वास का होना आवश्यक है।

(ii) क्षमताएँ - नेता में कुछ खास-खास क्षमताओं जैसे बुद्धि, निर्णय करने की क्षमता, ज्ञान एवं भाषण-प्रवाह का होना अनिवार्य है, इन क्षमताओं के होने पर नेता के प्रभावी होने की उम्मीद अधिक होती है।

(iii) सामाजिक कौशल - नेता को प्रभावी होने के लिए उसमें कुछ सामाजिक कौशल जैसे सहयोग प्राप्त करने का गुण, प्रशासनीय क्षमता, लोकप्रियता एवं प्रतिष्ठा, सामाजिकता तथा सामाजिक भागीदारी आत्मविश्वास आदि का गुण होना अनिवार्य है।

स्तर, गतिशीलता आदि का अध्ययन किया गया है। इन अध्ययनों का सामान्य निष्कर्ष यह रहा है—

(a) उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर से नेतृत्व-प्रभावशीलता में वृद्धि होती है।

(b) 50 वर्ष पहले की तुलना में आज उद्योगों में अधिक लोग निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से उच्चस्तरीय पदों पर आजाते हैं।

(c) पहले की तुलना में नेता अब अधिक शिक्षित होते हैं।

(III) बुद्धि - उत्तम नेता में निर्णय करने की क्षमता, ज्ञान, भाषण प्रवाह आदि निश्चित रूप से होते हैं। हालांकि यह संबंध संगत अवश्य है, फिर भी कुछ कारक ऐसे हैं जो नेतृत्व-प्रभावशीलता के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

(IV) व्यक्तित्व - प्रभावी नेता में कुछ विशेष व्यक्तित्व शीलगुण जैसे सतर्कता, आत्मविश्वास, व्यक्तिगत अखंडता, आत्म-आश्वासन तथा प्रभुत्व-आवश्यकता आदि का होना अनिवार्य है।

(V) कार्य से संबद्ध गुण - कार्य से संबंध गुणों का अध्ययन करने के लिए जो शोध किए गए हैं, उनके आधार पर यह कहा जाता है कि नेता में उपलब्धि एवं उत्तरदायित्व से संबद्ध उच्च आवश्यकता होती है तथा उसमें पहल शक्ति एवं उच्च स्तर की कार्य उन्मुखता भी होती है। अतः नेता को एक व्यक्ति होना चाहिये जिसमें उच्च अभिप्रेरणा, प्रणोद तथा कार्य-निष्पादन की आवश्यकता तीव्र होती है।

B.A.-III
Psy (H)
Paper - VI

Page No. 23/9/20

## शीलगुण सिद्धांत
## (Trait Theory)

नेतृत्व की व्याख्या करने के लिए सबसे प्रथम शीलगुण सिद्धांत का नाम आता है। इसे नेतृत्व का महान व्यक्ति सिद्धांत (great-man theory) भी कहा जाता है। इस सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति में कुछ जन्मजात शीलगुण होते हैं जो उन्हें एक प्रभावी नेता बनने में मदद करता है, इस सिद्धांत का मत है कि व्यक्ति में जन्म से ही कुछ ऐसे शीलगुण मौजूद होते हैं जो उन्हें एक प्रभावी नेता बनने में मदद करते हैं। कई शोध के आधार पर नेता के शीलगुणों की पहचान करने की कोशिश की गई है। इन शोधों एवं प्रयोगों का मुख्य संबंध व्यक्तित्व शीलगुण, दैहिक शीलगुण, क्षमता आदि से है।

(i) दैहिक गुण — कई प्रारंभिक शोधों में कुछ दैहिक गुणों जैसे उम्र, रूप, रंग, ऊँचाई, भार आदि को नेता का प्रमुख गुण माना गया है। कुछ लोगों का आज भी मत है कि एक उत्तम पर्यवेक्षक होने के लिए उसकी लंबाई सामान्य से अधिक, जैसे 6' या उससे ऊपर, शरीर भारी हो, आवाज में मोटापन एवं भारीपन हो तथा उसकी शारीरिक ऊर्जा स्तर अपने अधीनस्थों से काफी अधिक हो।

(ii) सामाजिक पृष्ठभूमि — पहले के कई शोधों में नेता के सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंध ...